संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688 | जिलों से संभाग तक का सच | email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-8 । अंक-26 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 19 नवंबर 2024 से 25 नवंबर 2024 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

भय से भारत अभय हो,
फिर विजय से विश्व।
विनयकर निर्भय जय हो,
जय हो भारत भूमि जय हो।।

Short News

प्रदेश में एक जनवरी से पुलिस पेट्रोल पंपों पर नहीं चलेगा कैश

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

मप्र पुलिस के पेट्रोल पंप और सुपर बाजारों में मिल रही गबन की शिकायतों को देखते हुए यहां नकद भुगतान पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। इसके स्थान पर एक जनवरी 2025 से यहां केवल कैशलेस भुगतान ही लिया जाएगा।

पेट्रोल पंपों पर हो रही हैं गबन की घटनाएं

मप्र के कई पेट्रोल पंपों में गबन की घटनाएं सामने आई हैं, जिसका फोरेंसिक आडिट कराया गया, जिसमें गबन का एक कारण इकाइयों द्वारा नकद लेन-देन करना एवं संव्यवहार का लेखा-जोखा का संधारण न करना पाया गया है। भोपाल पुलिस इकाई के पेट्रोल पंप में गत एक मई 2024 से नगद लेन-देन को प्रतिबंधित किया गया है, जिसके सफल परिणाम सामने आए हैं। यह लेन-देन पुलिस कल्याण के पेट्रोल पम्पों, पुलिस गैस रिफिलिंग केंद्रों, एलपीजी गैस, सुपर बाजार, पुलिस परिसरों की साफ-सफाई व्यवस्था एवं अन्य गतिविधियों जिनमें वार्षिक टर्नओवर छह लाख से अधिक है, बंद किया जाएगा।

पचमढ़ी पुलिस पेट्रोल पंप को छूट

हालांकि पचमढ़ी स्थित पुलिस पेट्रोल पंप को इससे छूट प्रदान की गई क्योंकि वहां मोबाइल इंटरनेट की सुविधा सीमित है। यहां के पेट्रोल पंप में नकद लेनदेन को बंद नहीं किया जाएगा, लेकिन पेट्रोल पंप से सभी भुगतान चैक, डिजिटल माध्यम से ही किए जाएंगे। वहां के पेट्रोल पंप के नोडल अधिकारी द्वारा दैनिक स्तर पर समीक्षा की जाएगी। पुलिस मुख्यालय की कल्याण शाखा के एडीजीपी अनिल कुमार ने इस संबंध में सभी जिला पुलिस अधीक्षकों एवं सेनानियों को निर्देश जारी किए हैं।

आपका अपना विश्वसनीय अखबार...
हमेशा आपके साथ
संभाग पोस्ट
आप हमसे अपनी समस्याओं को सांझा कर सकते हैं
बगैर किसी खौफ के विडियो, फोटो,
दस्तावेज के माध्यम से हमारे वाट्सअप नम्बर पर
और संभाग पोस्ट के पाठक सदस्य भी बन सकते हैं...
एक वर्ष की सदस्यता लेने पर
अखबार फ्री... तीन विज्ञापन फ्री...
पाठक सदस्यता आईडी कार्ड फ्री...
न्यूज चैनल पर एक एड फ्री....
सम्पर्क 9009919948

65 साल पुराने कानून को बदलने की तैयारी में मोदी सरकार

लाभ का पद मामले में सांसदों की अयोग्यता को लेकर बनेंगे नए नियम

■ नई दिल्ली । संभाग पोस्ट

केंद्र सरकार 65 साल पुराने उस कानून को निरस्त करने की योजना बना रही है, जो लाभ के पद पर होने के कारण सांसदों को अयोग्य ठहराने का आधार प्रदान करता है। सरकार एक नया कानून लाने की योजना बना रही है, जो वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप हो। केंद्रीय विधि मंत्रालय के विधायी विभाग ने 16वीं लोकसभा में कलराज मिश्र की अध्यक्षता वाली लाभ के पदों पर संयुक्त समिति (जेसीओपी) की तरफ से की गई सिफारिशों के आधार पर तैयार 'संसद (अयोग्यता निवारण) विधेयक, 2024' का मसौदा पेश किया है।

नेगेटिव लिस्ट को हटाने की तैयारी

प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य मौजूदा संसद (अयोग्यता निवारण) अधिनियम, 1959 की धारा-3 को युक्तिसंगत बनाना और अनुसूची में दिए गए पदों की नकारात्मक सूची को हटाना है, जिसके धारण पर किसी जनप्रतिनिधि को अयोग्य ठहराया जा सकता है। इसमें मौजूदा अधिनियम और कुछ अन्य कानूनों के बीच टकराव को दूर करने का भी प्रस्ताव है, जिनमें अयोग्य न ठहराए जाने का स्पष्ट प्रावधान है।

कानून की धारा-4 को हटाने का भी प्रस्ताव

मसौदा विधेयक में कुछ मामलों में अयोग्यता के 'अस्थायी निलंबन' से संबंधित मौजूदा कानून की धारा-4 को हटाने का भी प्रस्ताव है। इसमें इसके स्थान पर केंद्र सरकार को अधिसूचना जारी करके अनुसूची में संशोधन करने का अधिकार देने का भी प्रस्ताव है। मसौदा विधेयक पर जनता की राय मांगते हुए विभाग ने याद दिलाया कि संसद (अयोग्यता निवारण) अधिनियम, 1959 इसलिए बनाया गया था कि सरकार के अधीन आने वाले लाभ के कुछ पद अपने धारकों को संसद सदस्य बनने या चुने जाने के लिए अयोग्य नहीं ठहराएंगे।

व्यापक समीक्षा के बाद रिपोर्ट

हालांकि, अधिनियम में उन पदों की सूची शामिल है, जिनके धारक अयोग्य नहीं ठहराए जाएंगे और उन पदों का भी जिक्र है, जिनके धारक अयोग्य करार दिए जाएंगे। संसद ने समय-समय पर इस अधिनियम में संशोधन किए हैं। सोलहवीं लोकसभा के दौरान की संयुक्त संसदीय समिति ने इस कानून की व्यापक समीक्षा करने के बाद एक रिपोर्ट पेश की। समिति ने विधि मंत्रालय के वर्तमान कानून की अप्रचलित प्रविष्टियों को ध्यान में रखने की आवश्यकता पर बल दिया। इसकी एक प्रमुख सिफारिश यह थी कि 'लाभ के पद' शब्द को 'व्यापक तरीके' से परिभाषित किया जाए।

इंजीनियर के सामने सीएमओ बेबस

सब इंजीनियर जितेंद्र मेडे

सीएमओ ने दिए कार्यवाही के आदेश इंजीनियर ने उड़ाई आदेश की धज्जियां

■ खरगोन । संभाग पोस्ट

खरगोन नगर पालिका परिषद की अनियमितताएं खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है आए दिन खरगोन नगर पालिका मैं चल रहे भ्रष्टाचार की खबरें अखबार में प्रकाशित होती है इसके बावजूद भी खरगोन नगर पालिका के अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि भ्रष्टाचार की जड़े इतनी मजबूत हो चुकी है कि जहां भी उनके काले कारनामों की शिकायत होती है उनकी शाखाएं वहां तक फैली हुई है जिसके कारण ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ता जिसका जीता जागता उदाहरण आपके सामने है खरगोन नगर पालिका मैं अवैध निर्माण, नक्शे विरूद्ध निर्माण, सड़कों में भ्रष्टाचार , योजनाओं में भ्रष्टाचार जैसी कई शिकायते है जो वर्षों से चल रही है या यूं कहे पांच - पांच दस - दस सालों से शिकायतों का निराकरण नहीं हुआ है ऐसी स्थिति में क्या समझा जाए जिन शिकायतो को इतने वर्ष बीत चुके हैं और उन पर आज तक कोई एक्शन नहीं लिया गया इससे इस शंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि बगैर अधिकारियों की मिली भगत से भ्रष्टाचार होना संभव है ऐसा ही एक मामला भानु श्री कंस्ट्रक्शन द्वारा क्रॉस निर्माण का है जिसमें क्रॉस निर्माण करने के 3 महीने में ही क्रॉस पूरी तरह से जर्जर स्थिति में होकर उखड़ चुका है जिसकी शिकायत नगर पालिका सीएमओ निगवाल को की गई जिस पर सीएमओ द्वारा कोई एक्शन नहीं लिया गया इसके उपरांत नगरी प्रशासन विभाग इंदौर संभाग में शिकायत की गई विभाग द्वारा शिकायत के निराकरण हेतु तीन दिवस में जवाब पेश करने के आदेश हुए उसके उपरांत भी

नगर पालिका सीएमओ निगवाल

जिम्मेदारों द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई फिर दोबारा 3 महीने बाद नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा तीन दिवस में नगर पालिका खरगोन से जवाब देने का स्पष्टीकरण मांगा गया जिस पर नगर पालिका सीएमओ निगवाल द्वारा कार्यवाही करने के आदेश सब इंजीनियर जितेंद्र मेडे को दिए गए सब इंजीनियर जितेंद्र मैडे द्वारा शिकायत पर कार्यवाही ना करते हुए सीएमओ के आदेश को ताक पर रखते हुए अपनी मनमानी करके ठेकेदार को बचाया जा रहा है और शिकायतकर्ता को परेशान किया जा रहा है जिसका सीधा लाभ ठेकेदार और भ्रष्ट अधिकारी को मिलेगा इस विषय में जब सब इंजीनियर जितेन मेडे से फोन पर संपर्क करना चाहा कई बार फोन लगाने के बावजूद भी जितेंद्र मेडे द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया और व्हाट्सएप पर कार्यवाही की जानकारी के लिए एवं उनके मत को रखने के लिए मैसेज भी किए गए पर कोई जवाब नहीं दिया गया क्योंकि उन्हें पता है हमारे आका हमें अपनी छत्रछाया में संरक्षण देंगे और हमारा बचाव भी करेंगे। इसके बावजूद भी भ्रष्ट अधिकारियों पर यदि कोई कार्यवाही नहीं होती है तो भ्रष्टाचार इसी प्रकार चरम सीमा पर कायम रहेगा।

सुविचार

आत्मसंतुष्टि ही जीवन की सच्ची समृद्धि है; इसे पाने का प्रयास हमे करना चाहिए।

संपादकीय

प्रदूषण की गिरफ्त में दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाके पिछले कुछ दिनों से जिस तरह गंभीर वायु प्रदूषण की गिरफ्त में हैं, वह प्रदूषण-विरोधी आधी-अधूरी तैयारियों का ही नतीजा ज्यादा है, जिसका नतीजा आम लोग भुगत रहे हैं. दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर सबसे खराब की श्रेणी से सीवियर श्रेणी में चला गया है और रविवार को वहां औसत एयर इंडेक्स 429 दर्ज किया गया. कोहरे के साथ जलती पराली के धुएं से भी परेशानी जारी है. शादी के इस मौसम में चलते पटाखे भी स्थिति को गंभीर बना रहे हैं. हालांकि दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की भागीदारी सबसे अधिक है. प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ अगर सख्त कार्रवाई हो, तब भी कुछ समाधान निकल सकता है. लेकिन ऐसा नहीं है. प्रदूषण के कारण दिल्ली और हरियाणा में पांचवीं तक के स्कूल बंद रखने का फैसला लिया गया. केंद्रीय नियंत्रण प्रदूषण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, वायु प्रदूषण से फिलहाल राहत मिलने की संभावना नहीं है. इस स्थिति के लिए प्रदूषण फैलाने के स्थानीय कारक तो जिम्मेदार हैं ही, हवा की दिशा भी पंजाब और हरियाणा से पराली का धुआं दिल्ली पहुंचाने के अनुकूल बनी हुई है. दिल्ली और आसपास के इलाके में हर साल इस समय यह स्थिति पैदा होती है, तो इसके कई कारण हैं. दरअसल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों में विभिन्न पार्टियों की सरकारें होने के कारण उनमें तालमेल की कमी है. एकीकृत दृष्टिकोण के अभाव के कारण प्रदूषण नियंत्रण की योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पातीं. वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सौर ऊर्जा का इस्तेमाल, कचरे के बेहतर प्रबंधन और परिवहन प्रणाली में बदलाव जैसे दीर्घकालिक उपायों की आवश्यकता है. लेकिन हर साल इस समय यही समस्या पैदा होने पर तात्कालिक उपाय अपनाए जाते हैं. राजधानी में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध है. लेकिन वाहनों की नियमित जांच और कड़ी निगरानी के अभाव में पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहन सड़कों पर चलते रहते हैं. दिल्ली में तो मेट्रो और बसों का विस्तृत नेटवर्क है, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन की कमी है. राजधानी की सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करने के लिए ऑड-इवन व्यवस्था की शुरुआत की गई थी. उससे वायु प्रदूषण का कुछ समाधान निकला था. लेकिन इसे दीर्घकालिक समाधान के रूप में नहीं अपनाया गया. आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण फेफड़े की बीमारी के अलावा आयु के कुछ साल भी छीन लेता है. ऐसे में, इसके स्थायी समाधान की दिशा में सोचने की जरूरत है

देशभर में नि:शुल्क कानूनी जागरूकता फैला रहे हैं इंदौर के विधि विशेषज्ञ पंकज वाधवानी

रोजमर्रा के जीवन में आने वाली कानूनी दिक्कतों पर पिछले 4 वर्षों से लगातार एक वीडियो लेक्चर जारी

अब तक 2000 से ज्यादा वीडियो लेक्चर अपलोड किए

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर हाई कोर्ट अधिवक्ता और लॉ प्रोफेसर पंकज वाधवानी द्वारा समाज में आम लोगों के हितों कि रक्षा हेतु कानूनी जागरूकता संबंधी रोज एक वीडियो यूट्यूब चैनल ' लॉ इसी ' पर नि:शुल्क रिलीज कर रहे हैं, यह क्रम पिछले 4 वर्षों से निरंतर चल रहा है और अभी तक 2000 से ज्यादा वीडियो लेक्चर रोजमर्रा के जीवन में आने वाली कानूनी दिक्कतों एवं उनके समाधान को लेकर जारी कर चुके हैं। अधिवक्ता पंकज वाधवानी का शुरू से ही ध्येय रहा है कि नि:शुल्क कानूनी परामर्श प्रत्येक व्यक्ति को मिलना चाहिए क्योंकि विधिक साक्षरता अर्थात कानूनी जागरूकता से व्यक्ति के जीवन में आने वाली समस्याएं और विवाद स्वतः ही समाप्त हो जाती हैं जो कि ना सिर्फ प्रत्येक व्यक्ति के हित में होता है बल्कि यह समाज और राष्ट्र के हित में है।

वसीयत, बीमा क्लेम, संपत्ति विवादों पर देशभर से आते हैं फोन कॉल

लॉ लेक्चरर और पंकज वाधवानी द्वारा आम व्यक्तियों को आए दिन जूझने वाली समस्याओं के विषयों पर अपलोड किए गए वीडियो में जैसे वसीयत ड्राफ्ट करते समय किन बातों का ख्याल रखें , मेडिक्लेम तथा इंश्योरेंस क्लेम रिजेक्ट होने पर क्या करें, खाली पड़े प्लॉट पर कोई व्यक्ति अवैधानिक कब्जा कर ले तो क्या किया जाए, पुलिस द्वारा एफ आई आर दर्ज नहीं की जाती है, तो उसके लिए क्या कानूनी उपचार है इत्यादि विषयों पर देश के अलग-अलग राज्यों और शहरों से फोन कॉल आते हैं जिस पर वाधवानी उन्हें नि:शुल्क कानूनी परामर्श उपलब्ध कराते हैं। पंकज वाधवानी द्वारा लॉ इजी के नाम से यूट्यूब चैनल 23 अगस्त 2020 से प्रारंभ किया था जो कि भारत में ही नहीं पाकिस्तान, नेपाल,श्रीलंका, यूके, यूएई,

अमेरिका इत्यादि देशों में भी देखा जा रहा है।

4 वर्षों में 1 लाख 60 हजार से ज्यादा फॉलोवर

5 मिनट से 8 मिनट के छोटे-छोटे वीडियो लेक्चरर्स के माध्यम से इंदौर के वकील पंकज वाधवानी के पिछले 4 वर्षों में 1,60000 से ज्यादा फॉलोअर्स हो चुके हैं उल्लेखनीय है अधिवक्ता पंकज वाधवानी द्वारा एलएलबी मे तीनों वर्ष विश्वविद्यालय में प्रथम रैंक प्राप्त कर तीन स्वर्ण पदक हासिल किए, उसके उपरांत राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली नेट परीक्षा दो बार कानून विषय में उत्तीर्ण की और निरंतर अध्ययन जारी रखते हुए सात विषयों में एम ए , 15 से अधिक विषयों में पोस्ट ग्रेजुएट एवं डिप्लोमा इत्यादि अर्जित करते हुए वर्तमान में भी अध्ययनरत हैं। कानून के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन किस प्रकार किया जाए इस पर भी निरंतर रिसर्च करते रहे हैं।

सनातन धर्म और शिक्षा के प्रसार के लिए 137 देशों में कार्य जारी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि के बीके करुणा भाई के आतिथ्य में मीडिया परिसंवाद

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव एवं मीडिया विंग के प्रमुख बीके करुणा भाई ने कहा कि सनातन धर्म और शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए 85 वर्ष पुरानी संस्था का विस्तार अब तक 137 देशों में हो गया है। 8500 से अधिक शाखाओं में भारतीय पुरातन संस्कृति की पुनर्स्थापना और आत्मीय शान्ति के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

बीके करुणा भाई ओम शान्ति भवन, न्यू पलासिया में राष्ट्रीय विकास में मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित परिसंवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के बाद अपने-पराये की व्याख्या प्रत्येक इंसान भली-भांति समझ गया है। अब हमें समझना होगा कि सिर्फ अपना कर्म ही अपना सच्चा साथी है। मीडियाकर्मी स्वयं की आत्मा की शक्ति को जागृत कर सुख, शांति और समृद्धि की राह समाज को दिखाए। मीडिया विंग प्रमुख ने सभी मीडियाकर्मियों को वर्ष में दो मर्तबा माउंट आबू में आयोजित होने वाली मीडिया कांफ्रेंस का निमंत्रण भी दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मप्र-छग की जोन इंचार्ज राजयोगिनी डॉ. आरती दीदी ने कहा कि वर्तमान दौर में मीडिया में नकारात्मक ख़बरों को अधिक स्थान मिल रहा है। आध्यात्मिक और सकारात्मक ख़बरों के प्रकाशन का समाज में बेहतर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मीडिया समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है ऐसे में समाज के अन्य स्तंभों की गतिविधियों पर नज़र रखना और उसे सही दिशा देना भी बेहद जरूरी है।

अमेरिका से आई ब्रह्माकुमारी मेघना जैन ने कहा कि आधुनिक तकनीक अपने साथ विषमता भी लाती है। एआई के दौर में ओरिजनलिटी पीछे छूटती जा रही है क्योंकि एआई पर जो दर्ज कर दिया गया है वही दिखाया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मीडियाकर्मी को राजयोग का अभ्यास करना चाहिए ताकि उनके गुणों में वृद्धि हो सके। ओम शांति पत्रिका के प्रधान संपादक ब्रह्मा कुमार गंगाधर भाई ने कहा कि मीडियाकर्मी समाज को आईना दिखाने का काम करते हैं। राष्ट्रीय विकास में मीडिया की जिम्मेवारी उठाने के लिए पत्रकार बंधुओ को तत्परता से अपना कार्य करना होगा। कार्यक्रम को पूर्व कुलपति डॉ. मानसिंह परमार, वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा, अर्जुन सिंह बघेल, स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, मीडिया को-ऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमारी चंदा बहन, स्टेट को-ऑर्डिनेटर मीडिया विंग आशीष गुप्ता ने भी संबोधित किया और कार्यक्रम का संचालन दिव्या विजयवर्गीय ने किया। अंत में डॉ. गौतम कोठारी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी मौजूद थे। ब्रह्माकुमारी बहनों ने सभी मीडियाकर्मियों का माला एवं दुपट्टों से स्वागत किया। ब्रह्माकुमार अविनाश भाई ने गीत प्रस्तुत किया।

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया

■ बड़वाह। संभाग पोस्ट

इंदौर इच्छापुर हाइवे से लगी ग्राम पंचायत सिरलाय के काटकूट फाटे पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण मुख्यातिथि विधायक सचिन बिरला,नपा अध्यक्ष राकेश गुप्ता,जिला महामंत्री महिम ठाकुर,नपा उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल सर्व आदिवासी समाजजनों की मौजूदगी में प्रतिमा का अनावरण किया गया।काटकूट फाटे को बिरसा मुंडा चौराहे के नाम से जाना जाएगा। प्रतिमा अनावरण के बाद सांस्कृतिक एवं मंच कार्यक्रम आयोजित किया गया।बालिकाओं द्वारा आदिवासी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किये गए जिन्हें अतिथियों ने खूब सराहा।विधायक सचिन बिरला ने कहा की जल जंगल जमीन पर पहला अधिकार आदिवासी भाइयों का है।बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने देश के संविधान में एक लकीर खींची जिसका उद्देश्य आदिवासी अनुसूचित जाति वर्ग को मुख्य धारा में लाना था।जिस पर हमारी सरकार काम कर रही है।विधायक ने आदिवासी समाज के मांगलिक भवन के लिए 11 लाख व काटकूट में आईटीआई खोलने की घोषणा की,इस अवसर पर सभी अतिथियों ने विचार रखे।कार्यक्रम में सरपंच राजकुमार वर्मा,समाजसेवी डॉ.एन.एस.सोलंकी,महेश गुर्जर,चेतन मंडलोई,नानू डावर,संजय बामनिया,डॉ. ओमप्रकाश सोलंकी,मंशाराम तंवर,मनोज सोलंकी,राधे परिवार,बीएल बघेल,विजय वर्मा,मुकेश वासुरे,आरसी साल्वे,एनके कोचले,यशवंत मांसोरे,सुरेंद्र पंवार,राजा सोलंकी,सूरज गौड़ सहित समाजजन मौजूद थे।कार्यक्रम का संचालन डॉ.जितेंद्र सैते ने किया व आभार चेतन मंडलोई ने माना।

इंदौर में ईएसआईसी शुरू करेगा नया मेडिकल कॉलेज, पुराने अस्पताल की बिल्डिंग तोड़कर बनेगा

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर में एक और नया मेडिकल कॉलेज खुलने जा रहा है। इसका निर्माण कर्मचारी राज्य बीमा निगम करेगा। इसके सहमति सरकार से मिल चुकी है। नंदानगर स्थित ईएसआईसी परिसर में कॉलेज बिल्डिंग का निर्माण अगले साल शुरू होगा। यह बिल्डिंग 40 साल पहले अस्पताल के लिए बनाई बिल्डिंग को तोड़कर बनाया जाएगा। बीमा निगम के अफसरों के अनुसार यह मेडिकल कॉलेज जबलपुर मेडिकल विश्व विद्यालय से संबद्ध रहेगा। भविष्य में परिसर में नर्सिंग कॉलेज भी खुल सकता है।

इंदौर में नया मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना दस साल पहले बनी थी, लेकिन तब मेडिकल कॉलेज के लिए 50 एकड़ से ज्यादा की जमीन का नियम था और कॉलेज के छात्रों को प्रैक्टिस के लिए बड़े और आधुनिक अस्पताल की जरुरत भी होती है। इस कारण मामला ठंडे बस्ते में रहा।

अब ईएसआईसी ने 500 बेड का अस्पताल बना लिया है। इसका निर्माण 350 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। हाल ही में इसका लोकार्पण वर्चुअली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इस अस्पताल में तीन आपरेशन थिएटर, एक्सरे रुम, एमआरआई रुम, सोनाग्राफी, पैथलॉजी सहित अन्य सुविधाएं भी है। इंदौर संभाग से यहां बीमा निगम से जुड़े कर्मचारी इलाज के लिए आते है। इस कारण मेडिकल छात्रों को प्रैक्टिस में भी आसानी होगी।

अगले माह से टूटने लगेगी अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग

बीमा अस्पताल के नाम से पहचानी जाने वाली 40 साल पुरानी बिल्डिंग को तोड़ने का काम अगले माह से शुरू होगा। इस बिल्डिंग का मुआयना केंद्र से आए अफसर कर चुके है। बिल्डिंग के कई हिस्से खतरनाक भी हो चुके है। तोड़ने में चार से छह माह का समय लगेगा। इसके बाद मेडिकल कॉलेज की नई बिल्डिंग का काम शुरू होगा। इस कॉलेज में विभाग यह भी कोशिश कर रहा है कि बीमित कर्मचारियों के बच्चों के लिए भी चयन का कुछ कोटा रहे। इंदौर में अभी एक सरकारी और दो निजी मेडिकल कॉलेज है। अब चौथा मेडिकल कॉलेज खुलेगा।

देशभर में खुलेंगे दस नए मेडिकल कॉलेज

देश में दस नए ईएआईसी अस्पताल कर्मचारी राज्य बीमा निगम खोलेगा। इनमें इंदौर शहर भी शामिल है। श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने पिछले साल दस कॉलेजों के निर्माण की घोषणा की थी। बीमा निगम के कॉलेज बिहार, दिल्ली, हरियाणा,कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान और बंगाल में है।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर स्ट्रीट फूड की जाँच

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को इंदौर शहर में बिकने वाले स्ट्रीट फूड विशेषकर चायनीस फूड के साथ परोसे जाने वाले विभिन्न प्रकार की सॉस एवं चीज़ की जांच हेतु कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये थे। निर्देशों के परिपालन में अपर कलेक्टर गौरव बैनल के मार्गदर्शन में आज

स्ट्रीट फूट विशेषकर चायनीस फूड के साथ परोसे जाने वाले विभिन्न प्रकार की सॉस एवं चीज़ की सघन जाँच की गयी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा मेघदूत चौपाटी, विजय नगर में विभिन्न स्ट्रीट फूड वेंडर्स की सघन जांच की गई तथा टीम द्वारा खाद्य पदार्थ जैसे - मेंयोनीस,चीज़,गार्लिक सॉस, पिज्जा,टॉपिंग चीज़ एंड चिली,टोमेटो कैचप,सेज़वान सॉस,पास्ता पिज्जा सॉस,पिज़्ज़ा टॉपिंग क्रिमी टोमेटो आदि के कुल 08 नमूने जाँच हेतु लिए गए। इसी तरह एक अन्य कार्रवाई में सेज यूनिवर्सिटी स्थित मेस एवं कैंटीन का निरीक्षण जाँच टीम द्वारा किया गया। टीम द्वारा कैंटीन से रेड चिल्ली सॉस,जीरावण मसाला,विनेगर, हक्का नूडल्स के कुल 04 नमूने तथा मेस से तुअर दाल एवं सौफ के कुल 02 नमूने लिए गए । जाँच के दौरान परिसर में कमियाँ भी पाई गई, जिनमें सुधार हेतु सुधार सूचना पत्र जारी किया जा रहा है। जाँच हेतु लिए गए सभी नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा जायेगा,जिनकी विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात आगामी वैधानिक कार्रवाई की जायेगी। आम नागरिकों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सतत् कार्रवाई जारी रखी जायेगी।

शादी का आमंत्रण डाउनलोड मत करना, साइबर फ्रॉड हो जाएगा

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

शादी के सीजन के दौरान साइबर अपराधी नई-नई तरकीबें अपनाकर लोगों को ठगने का प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में, व्हाट्सएप पर ई-कार्ड भेजकर ठगी करने का मामला सामने आया है। जैसे ही लोग इन फाइल्स को डाउनलोड करते हैं, उनका मोबाइल हैक हो जाता है। 12 नवंबर से अब तक क्राइम ब्रांच में ऐसी छह शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं, जिनमें चार पीड़ितों से लगभग 8 लाख रुपए की ठगी की गई है। इसके अलावा, अपराधियों ने कुछ मामलों में कॉन्टैक्ट लिस्ट और फोटो गैलरी हैक कर तस्वीरों की मॉर्फिंग करके बदनाम करने की भी कोशिश की है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोदिया ने बताया कि अपराधी एपीके फाइल भेजकर इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। एंड्रॉइड फोन इस्तेमाल करने वाले कई लोग बिना सोचे-समझे अंजान या परिचित नंबरों से आए ई-कार्ड डाउनलोड कर लेते हैं, जिसका फायदा साइबर अपराधी उठा रहे हैं। ऐसी फाइल्स को खोलने से पहले सतर्कता बरतना बेहद जरूरी है। यदि आपके पास कोई ई-कार्ड या निमंत्रण आए, तो पहले भेजने वाले का नंबर चेक करें और उसकी पुष्टि करें। यदि फाइल का नाम एपीके फाइल है, तो इसे बिल्कुल भी डाउनलोड न करें। एक मामले में इसी सतर्कता से ठगी को रोका भी गया। साइबर अपराधों से बचने के लिए लोगों को सलाह दी जाती है कि अनजान फाइल्स को खोलने से बचें, फोन में एंटीवायरस रखें और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन या पुलिस को दें। सतर्कता और जागरूकता से ही ऐसे अपराधों से बचा जा सकता है।

इस तरह होती है ठगी

एपीके फाइल डाउनलोड होते ही आपके मोबाइल का एक्सेस दूसरों के हाथ में चला जाता है। एपीके का अर्थ होता है (एंड्रोइड पैकेजिंग किट)। इसमें एक एप्लिकेशन कोड होता है और यह फाइल मोबाइल डिवाइस में वायरस इंस्टॉल कर देती है। इससे अपराधी कॉन्टैक्ट लिस्ट, फोटो गैलरी, बैंकिंग ट्रांजेक्शन, पासवर्ड, क्रेडिट कार्ड डिटेल और ओटीपी व वाट्सएप तक हैक कर लेते हैं। एपीके आपके मोबाइल का एक्सेस साइबर अपराधियों को दे देती है। इससे हैकर्स डिवाइस (मोबाइल) को नियंत्रित कर सकते हैं। एपीके फाइल फिशिंग अटैक के लिए भी उपयोग की जा सकती है, जिससे आपके डिवाइस में मलिशियस कोड इंस्टॉल हो जाता है। जिन 4 मामलों में 8 लाख ठगे, उनमें दो मामलों में बैंकिंग, क्रेडिट, डेबिट कार्ड डिटेल और ओटीपी हासिल कर ठगी की। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोदिया ने बताया कि एक मामले में आरोपियों ने पीड़ित का वाट्सएप हैक किया। फिर रिश्तेदार बनकर मदद के नाम पर पैसे ठग लिए। एक अन्य मामले में फोटो को अश्लील बनाकर ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठे।

क्या रखें सावधानी

इस तरह की ठगी से बचने के लिए किसी भी तरह की अनजान फाइल डाउनलोड न करें। मोबाइल में किसी भी एप्लिकेशन को ऑफिशियल स्टोर से डाउनलोड करें। एप्लिकेशन की रेटिंग और रिव्यू चेक करें। एप्लिकेशन के परमिशन की जांच करें। अपने डिवाइस में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें। अपने डिवाइस को नियमित रूप से अपडेट करें।

इंसानियत शर्मसार

आदिवासी को नग्न कर गांव में घुमाया, अवैध संबंध का लगा आरोप, महिला आई सामने

■ आलीराजपुर । संभाग पोस्ट

आलीराजपुर जिले के छोटी मालपुर गांव में हुई यह घटना हमारे समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों और कानून की अनदेखी का उदाहरण है। 14 नवंबर की रात एक 48 वर्षीय आदिवासी व्यक्ति के साथ जिस तरह का अमानवीय व्यवहार किया गया, उसने मानवता को शर्मसार कर दिया है। ग्रामीणों ने इस व्यक्ति को अवैध संबंधों के शक में पीटा, नग्न किया और रस्सी से बांधकर पूरे गांव में घुमाया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिनमें से 5 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है।

गिरवी रखी जमीन देखने गया था पीड़ित आदिवासी

पीड़ित व्यक्ति, जो सेजावाड़ा गांव का निवासी है, 14 नवंबर की रात को अपनी गिरवी रखी जमीन को देखने छोटी मालपुर गया था। इसी दौरान ग्रामीणों ने उसे घेर लिया और एक महिला के साथ अवैध संबंधों का आरोप लगाकर उसे पीटना शुरू कर दिया। आरोपियों ने उसके हाथ बांध दिए और उसे नग्न कर गांव में घुमाया। पीड़ित व्यक्ति ने बार-बार छोड़ने की गुहार लगाई, लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं सुनी। इतना ही नहीं, जब महिला ने बीचबचाव करने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसे भी पीटा। यह घटना रात के करीब 11 बजे हुई और कुछ लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया।

पति की मृत्यु के बाद दिया सहारा

महिला का कहना है कि उसके पति की मृत्यु चार साल पहले हो चुकी है, और उसके बच्चों और घर की देखभाल करने वाला कोई नहीं था। इसी दौरान पीड़ित व्यक्ति ने उसकी मदद करना शुरू किया। वे दोनों दोस्त बन गए और महिला के बच्चों की जिम्मेदारी भी उस व्यक्ति ने ले ली। महिला ने पुलिस को बताया कि जब उसके पति की मृत्यु हुई थी, तब न तो कोई रिश्तेदार और न ही गांव का कोई व्यक्ति उसकी मदद के लिए आगे आया। केवल यही व्यक्ति था, जिसने उसे और उसके बच्चों को सहारा दिया। महिला ने आरोपियों से कहा भी कि जिसने उसकी मदद की, आज उसी के साथ मारपीट करना गलत है।

पांच आरोपी गिरफ्तार

इस घटना में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में गिरदार पिता समेश गणावा, अनिल पिता समेश गणावा, अजमेर पिता समेश गणावा, वीनू पिता मालजी और कैलास पिता थावरिया गणावा शामिल हैं। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। वहीं, खापरिया पिता वरसिंह गणावा अभी फरार है। पुलिस ने इन सभी के खिलाफ धारा 296, 115(2), 133, 127(2), 351(2), और 3/5 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

पैर बांधकर पानी में डुबोकर की हत्या... मारकर रोड पर फेंका

क्रूरता पूर्वक पैर बांध पानी में डुबोकर आठ कुत्तों को मार कर रोड पर फेंका

■ खरगोन । संभाग पोस्ट

खरगोन जिले के कसरावद के मोगावां मार्ग पर आठ कुत्तों के पैर बांधकर उनको पानी में डुबोकर मार दिया गया। सबसे वफादार प्राणियों में गिने जाने वाले कुत्तों की क्रुरता पुर्वक हत्या की गई है। शुक्रवार सुबह 8 कुत्तों के शव एक साथ मिले हैं उनके पैर बंधे और शव भीगे हुए थे। और उनसे पानी गिर रहा था इससे लगता है कि पहले कुत्तों के पैर बांधे गए फिर उन्हें पानी में डुबोकर मार दिया गया इसके बाद सड़क पर फेंक दिया गया मामले में संबंधित अधिकारी की लापरवाही भी सामने आई है उन्होंने भी कुत्तों के शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया और सफाई कर्मियों ने गड्ढा खोदकर दफना दिया है एसडीओपी मनोहर गवली का कहना है की शिकायत मिलती तो हम जांच करते। इस तरह की निर्मम हत्या को देखते हुए कर्तव्य जीव आश्रय सचिता रघुवंशी अध्यक्ष खरगोन से आवेदन देने के लिए आए।

इस निर्मम हत्या में संबंधित अधिकारियों की गंभीर लापरवाही आई सामने

शहर के अतिव्यस्ततम बाजार छोटी मोहन टॉकीज में अतिक्रमण हटाओ मुहिम

■ खरगोन । संभाग पोस्ट

खरगोन। नगर पालिका अमले ने सोमवार को शहर के अतिव्यस्ततम बाजार छोटी मोहन टॉकीज में अतिक्रमण हटाओ मुहिम चलाई। यहां होटल, पान दुकान आदि के बाहर नाली पर अतिक्रमण को लेकर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की गई थी। दोपहर करीब 12 बजे अमला जेसीबी के साथ क्षेत्र में पहुंचा। यहां जैसे ही जेसीबी चलने लगी आसपास के दुकानदार भी सक्रिय हो गए। खुद नाली पर किये गए निर्माण को तोड़ने के साथ ही टीनशेड भी उखाड़ लिया। राजस्व अधिकारी महेश वर्मा ने बताया नाली पर अतिक्रमण की शिकायत सीएम हेल्पलाइन में की गई थी जिस पर कार्रवाई की गई, इसके अलावा अन्य जगह भी चिन्हित है, जहां कार्रवाई की जाएगी।

नकब्जनी और चोरी के पांच आरोपियों को पीथमपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ पीथमपुर । विशाल कुमरावत

पीथमपुर एवं आसपास के क्षेत्र में दिन प्रतिदिन चोरी एवं नकब्जनी की वारदात बढ़ती जा रही हैं।पीथमपुर पुलिस ने इस पर अंकुश लगाते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा।कई फरियादियों ने चोरी की रिपोर्ट पीथमपुर थाने में दर्ज करवाई । पीथमपुर पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर और मुखबिर की सूचना पर पुलिस की टीम गठित कर । आईसर चौराहे और हाउसिंग महिंद्रा ब्रिज के पास से 1 विजय पिता शोभाराम डाबर 2.जयदीप पिता दिनेश मालवीय 3.निलेश पिता मुकेश अमलियार 4. ळसह पिता सरदार वानखेडे 5. आकाश पिता अरविंद कुर्मी पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। और उनके पास से दो मोटरसाइकिल एक फ्रिज एक एलसीडी एक होम थिएटर 18 एंड्राइड फोन जिनकी कुल अनुमानित राशि 6 लाख रुपए हैं। सामान जप्त कर कार्यवाही की गई। थाना प्रभारी ओमप्रकाश अहीर ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर द्वारा सूचना मिली की कुछ अज्ञात व्यक्ति चोरी का सामान बेचने के लिए बस स्टैंड पर खड़े हैं पीथमपुर थाने से गठित कर तुरंत घेराबंदी कर उनसे पूछताछ कारी गई तो उन्होंने अपराध करना कबूल कर आरोपी ने बताया कि महिंद्रा ब्रिज के पास मेरे अन्य साथी खड़े है यह भी जानकारी दी पुलिस टीम तुरंत महिंद्रा ब्रिज पहुंचकर उन आरोपियों को भी गिरफ्तार कर थाने लाया गया । और इन पर मुकदमा दर्ज किया गया इन आरोपियों पर पूर्व मै भी प्रकरण दर्ज हैं । इन आरोपियों को पकड़ने में थाना प्रभारी ओम प्रकाश अहीर ।के के परिहार । बी के मिश्रा । सूरज तिवारी। महेश यादव नीरज मिश्रा। सुधीर यादव साइबरसेल सर्वेश सिंह। प्रशांत ।अशोक कुमार दुबे। उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि पाकिस्तान में गुरूनानक देव जी का जन्म स्थान छोड़ना तत्कालीन सरकार की बड़ी गलती

■ भोपाल । विशेष प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री निवास पर रविवार को गुरुनानक देवजी के 555वें प्रकाश पर्व पर भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर सिख समाज ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को स्वर्ण तलवार भेंट की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सिख धर्म के योगदान की प्रशंसा करते हुए गुरुनानक देवजी के विचारों को भारत की प्रेरणा बताया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गुरु नानक देवजी ने धर्म और समाज को समानता और सत्कर्म का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक जी का जन्मस्थान पाकिस्तान में होना ही नहीं चाहिए। भारत में होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद गुरुनानक देव जी के जन्म स्थान को पाकिस्तान में छोड़ना तत्कालीन सरकार की सबसे बड़ी गलती थी। उनकी शिक्षाएं हमें जीवन के हर क्षेत्र में मार्गदर्शन देती हैं। उज्जैन के ऐतिहासिक गुरुद्वारे का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इस स्थान पर गुरु नानक देवजी ने यात्रा की थी और इसे संरक्षित करने में सरकार ने विशेष प्रयास किए हैं।

गुरु परंपरा को उच्च शिक्षा में शामिल करने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सिख धर्म की गुरु परंपरा को शिक्षा व्यवस्था में शामिल करने की पहल की है। गुरु नानक से लेकर गुरु गोविंद सिंह और उनके पुत्रों के बलिदान के प्रसंगों को उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है, ताकि नई पीढ़ी इन प्रेरणादायक कहानियों से अवगत हो सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरुनानक देव जी ने अत्याचार एवं समाज की कुरीतियों के खिलाफ बुलंद आवाज उठाई। जो सरल सूत्र है यही वेद वाक्य है। यही चारों वेदों का निचोड़ है। निराकार परमपिता परमेश्वर के प्रति आस्था पर सच्चा विश्वास है। उसी परंपरा ने हमारी सनातन संस्कृति को बचाया। हम कैसे भूल जाए कि बलिदान का कोई मजाक बनाए। बलिदान को सम्मान देने का कार्य भाजपा ने किया है।

गरीबों तक नहीं पहुंच रहा एक-तिहाई सरकारी अनाज

कहां चले जाते हैं 2 करोड़ टन गेहूं और चावल?

■ नई दिल्ली । एजेंसी

सरकार की तरफ से भेजा जा रहे करीब एक- तिहाई अनाज गरीबों तक नहीं पहुंच रहा है। एक आर्थिक थिंक टैंक की तरफ से जारी एक पेपर में खुलासा किया गया है कि भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकारों द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले लगभग 28 प्रतिशत अनाज कभी भी इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंचता है। इससे सरकारी खजाने को 69,000 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। साथ ही, इस प्रणाली में तत्काल सुधार की मांग की गई है।

घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) और एफसीआई के अगस्त 2022 से जुलाई 2023 तक के मासिक उठाव के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। पेपर का अनुमान है कि 20 मिलियन टन चावल और गेहूं अपने इच्छित लाभार्थियों तक पहुंचने में विफल रहते हैं। आईसीआरआईईआर में इंफोसिस के चेयर प्रोफेसर अशोक गुलाटी ने कहा कि यह एक वार्षिक घाटा है। यह कहां जा रहा है? शायद इसे खुले बाजार या निर्यात के लिए भेजा जा रहा है।

सरकारी खजाने पर 69 हजार करोड़ का बोझ

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 20 मिलियन टन चावल और गेहूं का रिसाव एक बड़ा वित्तीय बोझ है। उस वर्ष गेहूं और चावल की आर्थिक लागत को ध्यान में रखते हुए जिससे सरकारी खजाने पर 69,108 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। हालांकि, यह आंकड़ा 2011-12 में दर्ज 46% लीकेज से एक महत्वपूर्ण सुधार दर्शाता है, लेकिन यह अभी भी इंगित करता है कि मुफ्त/सब्सिडी वाले अनाज का एक बड़ा हिस्सा इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंच रहा है।

पीडीएस लीकेज में पूर्वोत्तर टॉप पर

यह लेटर कहता है कि सरकार की तरफ से नियुक्त पैनल की 2015 की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। इसने यह भी कहा कि 2016 में उचित मूल्य की दुकानों (राशन की दुकानों) में पॉइंट ऑफ सेल (POS) मशीनों की शुरुआत ने कुछ अंतर को पाटने में मदद की है, लेकिन लीकेज अभी भी काफी है। इसमें कहा गया है कि पीडीएस लीकेज के मामले में पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड शीर्ष तीन राज्य हैं, उसके बाद गुजरात है। पूर्वोत्तर राज्यों में डिजिटलीकरण की कमी को अधिक लीकेज के प्रमुख कारणों में से एक माना गया है। पेपर में कहा गया है कि बिहार और पश्चिम बंगाल ने पिछले एक दशक में पीडीएस लीकेज में उल्लेखनीय कमी हासिल की है। बिहार में यह 2011-12 में 68.7% से घटकर 2022-23 में सिर्फ़ 19.2% रह गया। पश्चिम बंगाल में 69.4% से घटकर 9% रह गया।

किस राज्य में कितनी लीकेज

पेपर के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पीडीएस लीकेज का अनुमान 33% है। लीक हुए अनाज की कुल मात्रा के मामले में यह राज्य सूची में सबसे ऊपर है। पेपर में कहा गया है कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और महाराष्ट्र में साइफनिंग की दर बहुत अधिक है। इसमें अक्सर अनाज को खुले बाजार में वापस भेज दिया जाता है। पेपर में कहा गया है कि पीडीएस के लिए लाभार्थियों के राशन कार्ड को आधार से जोड़ने से वितरण की प्रभावशीलता बढ़ी है, लेकिन पीडीएस में लीकेज अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है।

डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम के बावजूद लीकेज

पेपर के अनुसार डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम के कार्यान्वयन के बावजूद, लीकेज जारी है, जिससे न केवल बेहतर निगरानी की आवश्यकता है, बल्कि पीडीएस भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए संरचनात्मक सुधारों की भी आवश्यकता है,' पेपर के अनुसार। इसने पीडीएस प्रणाली में प्रमुख सुधारों का सुझाव दिया है। इसमें लाभार्थी लक्ष्यीकरण की सटीकता में सुधार और फूड टिकट या वाउचर प्रणाली और प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण में परिवर्तन की संभावना तलाशना शामिल है। इससे पारदर्शिता बढ़ सकती है, अकुशलता कम हो सकती है और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है। भारत दुनिया के सबसे बड़े पीडीएस में से एक का संचालन करता है। यह लगभग 81.4 करोड़ लोगों को चावल और गेहूं सहित मुफ्त लाभ देना है।

इंदौर प्रदेश का पहला शहर और पहली नगर निगम बना

पहली बार व्हाईट टॉपिंग सड़क बनाने का काम शुरु

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर।शहर में पहली बार डामर की सड़क के बजाय व्हाइट टापिंग सड़क बनाने का काम शुरू हो गया है। डेंटल कॉलेज चौराह से एबी रोड इसका शुभारंभ महापौर पुष्यमित्र भार्गव के द्वारा किया गया है इस अवसर पर जनकार्य प्रभारी राजेन्द्र राठौर स्थानीय पार्षद श्रीमती पंखुड़ी डोसी सहित निगम के अधिकारी अभय राजनगांवकर,डी आर लोधी,राजेंद्र गरोठिया भी उपस्थित रहे । सड़क कार्य शुभारम्भ के अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि बहुत खुशी है कि प्रदेश का पहला शहर इंदौर पहली नगर निगम इंदौर बन रहा है जो प्रदेश में पहली बार व्हाईट टॉपिंग सड़क बनाने का काम शुरु कर रहे हैं व्हाईट टॉपिंग विधि से इस सड़क को बनाने के लिए दीपावली के पूर्व इसका भूमि पूजन किया गया था वहीं दीपावली के बाद सोमवार को इसका कार्य शुरू कर दिया गया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि शहर की वह सारी सड़के जो डामर की थी जिस पर हर बार पेंच वर्क करना पड़ता था मेंटेनेंस करना पड़ता था ,यह वाला मॉडल सफल होगा तो उस आधार पर शहर की सभी डामर की सड़कों को व्हाईट टॉपिंग तकनीक से रिप्लेस करेंगे, ताकि शहर की सड़के अगले 20 से 50 साल तक मेंटेनेंस फ्री रहे.

रोड कंस्ट्रक्शन में महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा किए गए नवाचार

मध्य प्रदेश की पहली व्हाइट टॉपिंग की सड़क इंदौर में

व्हाइट टापिंग सीमेंट कांक्रीट तकनीक में मिलिंग मशीन की मदद से पुरानी डामर की सड़क की ऊपरी परत स्क्रेप कर कांक्रीट का मोटा लेप किया जाता है। इससे समय और संसाधनों की बचत होती है। व्हाइट टापिंग सीमेंट कांक्रीट तकनीक में एम-40 ग्रेड सीमेंट कांक्रीट में फाइबर बुरादा भी उपयोग किया जाता है।

मध्य प्रदेश में पहली बार नई टेक्नोलॉजी से सड़क का पेंच वर्क जो कुछ ही घंटों में सड़क पर बिना यातायात अवरुद्ध किए ही प्रयोग की जा सकती है।

साथ ही एक और टेस्ट जिसमें नई सड़क को पुरानी सड़क से मिलाने का काम नई तकनीक से किया था, जिससे सड़कों की स्ट्रेंथ बनी रहेगी, भविष्य में हमको 25 दिन तक तरी कर के सड़क मजबूती के लिए रुकना नहीं पड़ेगा,अगर आवश्यकता पड़े की आज सड़क बना कर कल उसका उपयोग करना हैं तो वो तकनीक भी हम इंदौर में ले आए है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव का कहना है कि देश में और मध्य प्रदेश में इंदौर रोड कंस्ट्रक्शन के मामले में लगातार नवाचार करता है,जितनी भी हमारी सड़के 10 प्रतिशत डामर की है,जो साल किसी ने किसी कारण से टूट जाती है जिसके बाद उस पर बेच वर्क करना पड़ता है, हम सभी को फेस वाइज ठीक करेंगे।

इंदौर में नंदबाग सड़क बनेगी 100 फीट चौड़ी, बाधक बने पचास मकान तोड़े

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में नंदबाग इलाके में नगर निगम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। एक साथ पचास से ज्यादा मकान तोड़े गए। सुबह-सुबह हुई कार्रवाई से लोग भी भौंचक रह गए। बता दें कि टिगरिया बादशाह से खड़े गणपति मंदिर तक नगर निगम 100 फीट चौड़ी सड़क का निर्माण कर रहा है। सुबह आठ बजे सात पोकलेन और दस जेसीबी की मदद से मकान तोड़ने की मुहिम शुरू की गई। कुछ रहवासियों से स्वेच्छा से भी मकान तोड़ने लगे थे, लेकिन उनके चेहरे पर उदासी थी, क्योंकि वर्षों से वे इन मकानों में रह रहे थे। कुछ लोगों के पूरे मकान सड़क की चौड़ाई की जद में आ रहे थे। ज्यादातर कच्चे मकान बने थे, जो जल्दी टूट गए, लेकिन पक्के निर्माणों को तोड़ने में ज्यादा समय लगा।

कॉरिडोर से जुड़ेगी सड़क

नंदबाग सड़क मध्य क्षेत्र को सीधे सुपर कॉरिडोर से जोड़ती है। आगे जाकर यह सड़क

एमआर- 5 से जुड़ जाती है। इस सड़क की मास्टर प्लान में चौड़ाई 100 फीट है, लेकिन कहीं यह 60 फीट चौड़ी थी, तो कहीं 80 फीट की जगह सड़क के लिए मिल रही थी। बाधक निर्माणों को तोड़ने के लिए दस दिन पहले निगम ने लोगों को नोटिस दिए थे और स्वेच्छा से बाधक हिस्से हटाने के लिए कहा था, लेकिन तय मियाद तक लोगों ने निर्माण नहीं तोड़े थे। इस मार्ग पर 800 फ्लैटों की मल्टी भी प्राधिकरण ने बनाई थी, लेकिन कनेक्टिविटी बेहतर नहीं होने के कारण फ्लैट ज्यादा नहीं बिक पाए। यह सड़क सुपर कॉरिडोर से जुड़ेगी।

एमआर-5 अटकी

दूसरी तरफ छोटा बांगड़दा रोड कही जाने वाली एमआर-5 सड़क के काम को गति नहीं मिल पा रही है। यहां भी कई अतिक्रमण बाधक बने हुए हैं। सुपर कॉरिडोर से छोटा बांगड़दा गांव तक सड़क लगभग बन चुकी है। इस एक किलोमीटर की सड़क के आसपास कई टाउनशिप भी कट गई है। उसके आगे इंदौर वायर फैक्टरी तक काम होना है। ये रास्ता शहर के एयरपोर्ट रोड के ट्रैफिक को काफी हद तक कम कर सकता है।

इंदौर का पूर्वी रिंग रोड होगा सिग्नल फ्री, सातों चौराहों पर ब्रिज, दो जगह निर्माण शुरू

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर का दस किलोमीटर लंबा पूर्वी रिंग रोड सिग्नल फ्री बनाने की तैयारी की जा रही है। इस मार्ग के सात में से चार चौराहों पर ब्रिज बन चुके है। दो चौराहों पर निर्माण शुरू हो चुका है। शेष बचे एमआर-9 चौराहे की प्लानिंग भी हो चुकी है। प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सालभर पहले इंदौर के विकास की पहली बैठक ली थी। तब शहर के किसी एक मार्ग को सिग्नल फ्री करने योजना तैयार करने के लिए अफसरों को कहा था। इसके लिए रिंग रोड को चुना गया, क्योकि इस रोड पर चार ब्रिज बन चुके थे। बचे तीन चौराहों में से दो पर ब्रिज निर्माण शुरू हो चुका है। मेट्रो रुट के कारण एमआर-9 चौराहे पर अभी ब्रिज नहीं बन पाया है। पूर्वी रिंग रोड का दस किलोमीटर का हिस्सा एमआर-9 चौराहा से ही सिग्नल फ्री हिस्सा होगा,क्योकि रेडिसन चौराहा पर मेट्रो ट्रेक के कारण ब्रिज की प्लानिंग नहीं हो पाई है।

एक साथ दो चौराहों पर ब्रिज निर्माण शुरू

रिंग रोड के दो व्यस्त चौराहे मुसाखेड़ी और आईटी पार्क चौराहा पर दो माह पहले ब्रिज निर्माण शुरू हो चुका है। डेढ़ साल में दोनो ब्रिज बनकर तैयार हो जाएंगे। खजराना चौराहा की एक लेन ट्रैफिक के लिए खोल दी गई है, दूसरी लेन भी तैयार है। दो साल में सात में से छह चौराहे सिग्नल फ्री हो जाएंगे। मेट्रो का काम शुरू होने के बाद एमआर-9 चौराहा पर भी ब्रिज बन जाएगा। इसके अलावा राजीव गांधी चौराहा पर भी डेबल डेकर ब्रिज की प्लानिंग की जा रही है।

चीनी कम तो जीवन में मिठास भरपूर

यह संदेश लेकर दौड़े हजारों इंदौरी

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

विश्व मधुमेह दिवस 2024 के उपलक्ष्य में आयोजित 'चीनी कम मिठास भरपूर रन-वॉक' और जागरूकता शिविर ने इंदौरवासियों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने का सार्थक प्रयास किया। इस आयोजन का नेतृत्व जाने-माने मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप जुल्का ने किया, जो इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA), लायंस क्लब और केयर सीएचएल अस्पताल के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

रैली में दिखा जोश और जागरूकता का संदेश

सुबह 6:45 बजे मंगल सिटी मॉल से शुरू हुई रन-वॉक का फ्लैग ऑफ भारतीय हॉकी टीम के कोच मीर रंजन नेगी, आईएमए के प्रेसिडेंट नरेंद्र पाटीदार और मेजर जनरल श्रीकांत नीमा ने किया। रैली में बीएसएफ जवान, एनसीसी कैडेट्स, डॉक्टर, और मधुमेह मरीजों ने भाग लिया। रैली मंगल सिटी मॉल से रेडिसन होटल, सत्य सांई चौराहा होते हुए वापस मंगल सिटी मॉल पर समाप्त हुई।

स्वास्थ्य शिविर ने लोगों को दी स्वस्थ जीवनशैली की सीख

रैली के बाद, सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित स्वास्थ्य शिविर में टाइप 1 डायबिटीज से ग्रस्त बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए चित्रकारी प्रस्तुत की। साथ ही, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मधुमेह से बचाव और नियंत्रण के उपायों पर चर्चा की। केयर सीएचएल के मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप जुल्का ने बताया, मधुमेह एक गंभीर लेकिन नियंत्रित बीमारी है। स्वस्थ जीवनशैली, सही खानपान, और

नियमित व्यायाम से इसे रोका जा सकता है। यह आयोजन न केवल मधुमेह रोगियों बल्कि आम जनता के लिए भी जागरूकता बढ़ाने का एक अनूठा प्रयास था। चीनी कम मिठास भरपूर रन-वॉक और स्वास्थ्य शिविर ने यह संदेश दिया कि मधुमेह के साथ भी जीवन स्वस्थ और सुखद हो सकता है, बशर्ते हम अपनी जीवनशैली में सुधार करें। इस जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी सहयोगियों और प्रतिभागियों का आभार हम भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लेते हैं।

इंदौर, देवास, उज्जैन और धार को इंटीग्रेटेड कर महानगर बनाएंगेः सीएम यादव

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि जल्दी ही देवास, इंदौर, उज्जैन और धार को एकीकृत करते हुए समग्र महानगर के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने कार्यवाही शुरू कर दी है और टेंडर भी किए हैं। होल्कर, सिंधिया, बाजीराव के माध्यम से हिंदवी सेना का साम्राज्य पुनस्थापित होने का दौर शुरू होने के बाद इस इलाके की स्थिति में बदलाव हुआ है और विकास की स्थिति लगातार बढ़ती जा रही है।

सीएम ने कहा कि दो देवियों का वास देवास में हैं

दिल्ली से वर्चुअली देवास के कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक के भूमिपूजन में शामिल हुए सीएम यादव ने कहा कि दो देवियों का वास देवास में हैं। तुलजा भवानी और चामुंडा मां सब पर अपनी कृपा बरसाएं। कैला देवी का भी आशीर्वाद लेकर आगे बढ़ रहे हैं। यह हमारा सौभाग्य है। होल्कर, सिंधिया, बाजीराव के माध्यम से हिंदवी सेना का साम्राज्य पुनस्थापित होने का दौर शुरू होने के बाद इस इलाके की स्थिति में बदलाव हुआ है। मालवा क्षेत्र अपनी अनूठी विशेषताओं के लिए जाना जाता है। विशेष रूप से देवास ने औद्योगिकीकरण के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

9 करोड़ की लागत बनेगा सिंथेटिक एथेलेटिक ट्रैक

देवास का कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम 10.00 एकड़ भूमि में स्थित है। स्टेडियम में बैडमिंटन के 4 सिंथेटिक कोर्ट, बास्केटबॉल के 2 कोर्ट, 25 मीटर स्वीमिंग पुल, ओपन जिम, साफ्टबॉल और शतरंग खेल के अतिरिक्त महिला आत्मरक्षा के लिए कराते प्रशिक्षण संचालित है। स्टेडियम में एथेलेटिक खिलाडियों के लिए खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा सिंथेटिक एथेलेटिक ट्रैक की स्थापना 9 करोड़ 18 लाख रुपए की लागत से की जा रही है, जिसमें 400 मीटर सिंथेटिक एथेलेटिक ट्रेक 8 लेन की सुविधा उपलब्ध रहेंगी। खिलाडियों के फिटनेस के लिए 26 लाख रुपए के जिम उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

इंटीग्रेटेड महानगर बनेंगे

सीएम यादव ने कहा कि-देवास, इंदौर, उज्जैन और धार को एकीकृत करते हुए एक समग्र महानगर के रूप में विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। यह पहल क्षेत्र के समग्र और संतुलित विकास को सुनिश्चित करेगी। सीएम ने कहा कि, देवास के चारों ओर फोरलेन रिंगरोड बनने से देवास चारों ओर से विकसित हो रहा है। तुकोजीराव पवार के जन्मदिन पर यह स्टेडियम शुरू हो रहा है। यह देवास की प्रतिभाओं को निखारने का काम करेगा। संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री यादव ने सीएसआर फंड के माध्यम से देवास के स्टेडियम में पैवेलियन बनाने का काम कलेक्टर को दिया है।

1800 फर्जी बैंक खाते खोल देशभर में बेचे, वसूली 2 करोड़ रुपये की रकम, फर्जीवाड़े की इनसाइड स्टोरी

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से चौंकाने वाली खबर है. भोपाल पुलिस ने अंतरराज्यीय शातिर गिरोह के 7 सदस्यों को गिरफ्तार किया है. बिहार के ये आरोपी फर्जी दस्तावेजों के जरिये बैंक खाते खुलवाकर पूरे देश में बेचते थे. इन आरोपियों में एक महिला भी है. ये अंतरराज्यीय गिरोह अभी तक 1800 फर्जी बैंक खाते बेच चुका है. पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बैंक खाते खोलने के लिए उन आधार कार्डों का इस्तेमाल किया, जो कभी अपनी सही पते पर नहीं पहुंचे थे. आरोपी एक बैंक खाता खुलवाने के एवज में दस हजार रुपये लेते थे. यानी कि, अभी तक आरोपी 2 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम वसूल कर चुके हैं.

पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह का मास्टर माइंड शशिकातं कुमार है. यह शख्स बिहार के नालंदा का रहने वाला है. इसने 12वीं तक पढ़ाई की है. यह लोगों के फर्जी पैन कार्ड बनाता था. शशिकांत ही वह शख्स है, जो झारखंड से डाटा लाता था. उसके बाद ये पता करता था कि किस आधार कार्ड से पैन कार्ड नहीं बना है. जिस आधार का पैन कार्ड नहीं होता था, उसके लिए वह ऑफलाइन आवेदन करता था. इसके बाद वह इन कागजात के आधार पर सिम लेता था और फिर बैंक खाते खुलवाता था. जो भी सदस्य बैंक खाता खुलवाता, उसे उसके लिए दो हजार रुपये कमीशन मिलता था.

किराये के फ्लैट में गोरखधंधा

पुलिस ने बताया कि इस गिरोह ने करीब एक महीने पहले ही राजधानी भोपाल में फ्लैट किराए पर लिया था. आरोपियों ने फ्लैट मालिक को यह कहकर झांसे में लिया कि वे सभी कपड़े की दुकान पर काम करते हैं. जबकि, फ्लैट के कमरों में फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाते थे. पुलिस ने छापे में 20 मोबाइल, प्रिंटर, सैकड़ों एटीएम और आधार कार्ड बरामद किए. पकड़े गए आरोपियों में साधना, अंकित कुमार, कौशल माली, रोशन कुमार, रंजन कुमार, मोहम्मद टीटू शामिल हैं.

पुश्तैनी रंगरेज के मकड़जाल से पहली मर्तबा आया प्रशासनतंत्र

कुक्षी तहसील के रामपुरा की श्रीमती सैकड़ीबाई पति अमनसिंह को बिरसा मुण्डा जयंती परजिला मुख्यालय धार मे आयोजित जनजाति गौरवदिवस पर जनजाति गौरव सम्मान से सम्मानित करतें म.प्र. के महामहिम राज्यपाल मंगूभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने जनजाति गौरव दिवस पर आदिवासी रंगरेज महिला को सम्मानित कर आदिवासियों का गौरव बढ़ाया

■ बाग । मदन कावरा

बाग प्रिंट की पहचान ही किसी जमाने की पुश्तैनी आदिवासी पहनावे की प्रिंट से बनी थी।परन्तु जबसे इस बाग प्रिंट ने आधुनिकता का आवरण ओढ़ लिया यानि बेडशीट, ड्रेस मटेरियल के क्षेत्र मे यह बाग प्रिंट यानि ठप्पा छपाई आई तबसे इस प्रिंट ने अपनी अर्न्तराष्ट्रीय पहचान बनाई है,यह पहचान भी स्थानीय आदिवासी कलाकारों की ही देन है परन्तु इस बाग प्रिंट को पुश्तैनी रंगरेजों ने अपने मकड़जाल मे इस तरह फाँस रखा है कि इस प्रिंट के कारखानों पर काम करनें वाले अधिकांश आदिवासी कलाकार एड़वांस धनराशि मे वे बंधुआ मजदूर की भाँति मजबूर है कि वे अपना स्वयं का का न तो कारखाना खोल पाते है और न ही शासन प्रशासनतंत्र उन्हें वह सुविधाएं उपलब्ध करवा पाता है जो पुश्तैनी रंगरेज के एकाध परिवार को ही हमेशा उपकृत करता रहता है।जबकि यही परिवार शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पर अधिकृत वैध कराने के लिए किसी समय(तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबुलाल गौर के समय)इस देश को छोड़ने की धमकी देता है।यही नही शासन प्रशासनतंत्र इसी परिवार को ही ठप्पा छपाई मे पुरस्कार की बरसात करता रहता है इसकी कोई जाँच क्यों नही कि जाती है कि इसी एक ही परिवार को ही दशकों से पुरस्कार क्यों दिये जा रहे है।जबकि इन पुरस्कारों का हक आदिवासी रंगरेजों का भी बनता है।हालात यहां तक ही नही बिगड़े हालात यह है कि इन पुश्तैनी रंगरेजों के यहाँ कारखानों मे बाग प्रिंट ठप्पा छपाई से लेकर भट्टी व नदी पर कपड़ो की धुलाई व तैयार माल करने तक की मेहनत आदिवासी कलाकार करते है ये पुश्तैनी अल्पसंख्यक रंगरेज परिवार सिर्फ मैनेजमेंट व बाजार की चकाचौंध मे ही स्थानीय आदिवासीयों की योग्यता व काबलियतता का शोषण करतें है।परन्तु मजाल है कि इन आदिवासियों को बाग प्रिंट के इस कुटीर उघोगों से कोई आदिवासी विधायक या सासंद या जनप्रतिनिधि कोई तो करें या इन आदिवासी रंगरेजों को पुरस्कार क्यों नही मिलते है विधानसभा या संसद मे यह आवाज तक उठाना उचित नही समझते है तो इनकी मानसिकता को भी समझा जा सकता है।ताज्जुब तो यह भी है कि आदिवासी समाज के जितने भी संगठन है उनके बुद्धिजीवी नेताओं के जेहन मे भी यह बात क्यों नही आती है कि हमारे समाज की इन प्रतिभाशाली रंगरेज जो ठप्पा छपाई मे निपुण है हम उन्हें उनके इस रोजगार के क्षेत्र मे सहयोग व मार्गदर्शन दे।

इस कुक्षी तहसील के अनेक गाँवों मे धनभाव के चलते कई प्रतिभाशाली आदिवासी समाज के रंगरेज परिवार की संघर्षशीलता के साथ अपने हुनर का उपयोग कर अपना रोजगार कर रहे है।इन रोजगार व्यवसायी के बीच एन.जी.ओ.रुपी वे बिचौलिए आकर इनके नाम काम का शोषण कर हजारों रूपयों की चोट पहुंचाकर शासन से इन आदिवासी रंगरेज की सुविधाओं के नाम लाखों रुपया समेटकर चले जाता है और आदिवासी रंगरेज बेचारा मुँह तकता रहता है।हालात यही नही ठहरते है इनके शोषणकर्ताओं को आदिवासी समाज के अधिकारी ही चंदसिक्कों मे बिक जाते है,यह भी ताज्जुब से कम नही है।

खैर इनके शोषण की कहानियां बहुत गहरी है परन्तु कोई प्रिंट मीडिया भी इस क्षेत्र मे खबर के लिये मेहनत नही करता वह भी चकाचौंध मे चकाचक रहना चाहता है।

खैर जो भी हो परन्तु भगवान बिरसा मुण्डा जिन्होंने राष्ट्र की आजादी की लौ जगाई थी,आदिवासियों के लिए वे एक प्रेरणास्रोत रहे,आजादी के 60 बरस बाद तक वह इतिहास के पन्नो पर नही आये,परन्तु जबसे भाजपा शासन ने पदापर्ण किया तो आर.एस.एस. की एक शाखा वनवासी कल्याण आश्रम ने आदिवासी समाज के इन भूलें बिसरे क्रांतिकारियों का इतिहास इनके चित्र के साथ संजोये थे वे सब अब राजनीति के केन्द्र बिंदु बन गये है।यह हम सब हिन्दुस्तानीयों के लिए गर्वित होने की बात है।

वीर स्वातंत्रय संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती को जनजाति गौरवदिवस के रुप मे मनानें के लिए म.प्र.शासन का गौरवशाली निर्णय सराहनीय कदम है।इससे बढ़कर हमारा क्या शौभाग्य हो सकता है कि यह जनजाति गौरवदिवस म.प्र.के महामहिम राज्यपाल व मुख्यमंत्री धार जिला मुख्यालय पर आकर उन हजारों लाखों आदिवासियों के बीच उनके समाज के वीरयोद्धा की वीरगाथाओं के साथ समाज मे उभरती प्रतिभाशाली प्रतिभाओं का सम्मान कर सबको गौरवान्वित करती हो।

हमें सबसे बड़ी खुशी तब होती है कि दुर्योधन बना प्रशासनतंत्र पुश्तैनी रंगरेज के मकड़जाल से बाहर आकर बाग प्रिंट कि आदिवासी महिला रंगरेज श्रीमती सैकड़ीबाई पति अमनसिंह को उसकी योग्यता व काबलियतता का पैमाने को सही नाप माप कर उन्हें जनजातीय गौरव सम्मान का सबसे बड़ा पुरस्कार राज्यपाल व मुख्यमंत्री द्धारा सम्मानित करना वह इस क्षेत्र के आदिवासी रंगरेजों के लिए गौरवशाली क्षण रहा।क्योंकि दशकों से ये आदिवासी रंगरेज ठप्पा छपाई कर रहे है परन्तु हस्तशिल्प निगम हो या ग्रामोद्योग विभाग हो या केन्द्र का व म.प्र. शासन हो सभी ने अब तक जो पुरस्कार दिये है वे सिर्फ धनबल पर देकर अपने कर्तव्यों की ईतिश्री कर ली और उपेक्षित आदिवासी समाज अलग थलग पड़ा रहा।

अगर यह जनजाति गौरव दिवस क्रांतिकारी बिरसा मुण्डा के नाम नही होता तो निश्चित मानिए जिला प्रशासनतंत्र इस आदिवासी महिला रंगरेज की जगह कोई पुश्तैनी अल्पसंख्यक रंगरेज होता, जोकि इस क्षेत्र का दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय होता।

संभाग पोस्ट

थाना हीरानगर पर लंबित सी.एम.हेल्पलाईन की शिकायतो का निराकरण करने हेतु लगाया गया शिविर

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

शिविर में श्रीमान पुलिस उपायुक्त महोदय (जोन-3) नगरीय पुलिस जिला इंदौर द्वारा लंबित CMHL के शिकायतकर्ताओं को सुनकर उनकी समस्या का संतुष्टीपूर्वक किया गया निराकरण। लंबित शिकायतो का एक ही छत के नीचे इस प्रकार से शिविर लगाकर निराकरण करने से आवेदक हुये संतुष्ट। थाना हीरानगर में सी.एम. हेल्पलाईन समाधान शिविर का आयोजन किया गया। CMHL के निराकरण में श्रीमान हंसराज सिंह पुलिस उपायुक्त महोदय (जोन-3) नगरीय पुलिस, जिला इंदौर थाने पर उपस्थित हुये तथा शिकायतकर्ताओ को समक्ष में सुनकर उनकी समस्याओं यथासंभव निराकरण किया गया। शिविर के आयोजन मे थाना हीरागनर की लंबित शिकायते जिसमे L-1, L-2, L-3 स्तर की शिकायतो का संतुष्टि पूर्वक निराकरण किया गया। शिकायतकर्ता द्वारा इस प्रकार की मुहिम से प्रसन्न होकर इंदौर पुलिस को धन्यवाद दिया गया।

इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ गांजे के साथ आरोपी गिरफ़्तार

आरोपी के कब्जे से 06 किलो 214 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, 02 मोबाइल, 01 मोटरसाइकिल जप्त

थाना क्राईम ब्रांच इंदौर में आरोपी के विरुद्ध NDPS Act में अपराध पंजीबद्ध कर की जा रही है अग्रिम वैधानिक कार्यवाही

अरविंद उर्फ भैया पिता मन्ना लाल बदनवरे

आरोपी से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी (खरीदी-बिक्री) के संबंध में की जा रही है पूछताछ

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर शहर में अपराध नियंत्रण हेतु इंदौर कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं इनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरूध्द प्रभावी कार्यवाही के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनमें संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार असूचना संकलन कर कार्यवाही की जा रही हैं। इसी तारतम्य में क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा फरार आरोपियों एवं मादक पदार्थ तस्करों को चेक करने हेतु क्षेत्र में रवाना होकर पोलोग्राउंड के सामने जिला व्यापार उद्योग केंद्र के पास एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर संदिग्ध अवस्था में बैठा दिखा, जिससे नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम (1). अरविन्द उर्फ भैय्या बदनावरे निवासी शहीद हेमू कालोनी इंदौर का होना बताया।आरोपी के बोरे की नियमानुसार तलाशी लेने पर बोरे में करीब 06 किलो 214 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला, जिसके संबंध में कोई उचित उत्तर नहीं दिया। आरोपी के कब्जे से 06 किलो 214 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा , 02 मोबाइल, 01 मोटरसाईकिल जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना क्राइम ब्रांच पर अपराध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है, जिसके आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं। आरोपी से अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही हैं।

किसानों ने भरी मीटिंग से लाइनमैन को उठाया बिजली काटने पर खेत में खूब पिटाई की

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में बिजली काटने से परेशान किसान एमपीईबी दफ्तर में चल रही मिटिंग के दौरान ही लाइनमैन को अगवा कर कार से ले गए। लाइनमैन का आरोप है कि खेत में ले जाकर न सिर्फ उसके साथ मारपीट की, बल्कि उस पर रुपयों के नुकसान की भरपाई करने का दबाव भी बनाया।

दो पर केस दर्ज किया

गौतमपुरा टीआई अरूण सोलंकी ने बताया कि राजेन्द्र मस्कोले निवासी गौतमपुरा की शिकायत पर विनोद जयराम और विशाल पर केस दर्ज किया है, तीनों किसान हैं। बताया जा रहा है कि लाइनमैन इन किसानों के खेत की बिजली काट आया था।

इंदौर हाईकोर्ट: पुरानी बीयर बोतलें पुनः उपयोग करना ट्रेडमार्क उल्लंघन

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है, जिसमें पुरानी बीयर की बोतलों का दोबारा उपयोग कर बेचना ट्रेडमार्क उल्लंघन के अंतर्गत माना गया है। कोर्ट ने कहा कि जिन बोतलों पर किसी अन्य कंपनी का ब्रांड नाम या लोगो अंकित होता है, उनका पुनः उपयोग अपने उत्पाद के लिए करना कानून के खिलाफ है। यह फैसला जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस प्रणय वर्मा की खंड पीठ ने दिया। पीठ ने माउंट एवरेस्ट ब्रुअरीज लिमिटेड की शिकायत पर यह आदेश जारी किया, जिसमें आरोप था कि उनकी ब्रांडेड बोतलों का दोबारा उपयोग किया जा रहा था। कोर्ट ने कहा कि यह न केवल ट्रेडमार्क के अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि उपभोक्ताओं के बीच भ्रम उत्पन्न करने का भी कारण बन सकता है।

उद्योग और व्यापारिक दृष्टिकोण से अहम फैसला

इस फैसले के बाद, बीयर और अन्य पेय उद्योगों में पैकिंग और बोतल रीसाइक्लिंग पर सख्ती बढ़ सकती है। ट्रेडमार्क उल्लंघन के मामलों में यह एक महत्वपूर्ण आदेश माना जा रहा है, जो कंपनियों को उनके ब्रांड के संरक्षण में अधिक सतर्क बनाएगा।

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पता: हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिक: 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

चेतन टेलर्स
(सूट स्पेशलिस्ट)
सुनिल खटके
मो. 9893118079
30/1.परदेशीपुरा, शिवधाम के सामने, इंदौर

कार्यालय पता: 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक: नवीन गलकर, मो. 9009919948